भटनागर सभा

उदयपुर–313001

(INFORMATION BULLETIN)

सूचना–पत्र

कैलाश नारायण भटनागर
अध्यक्ष

•

देवेश भटनागर
महामंत्री

•

नीतिन भटनागर
समाज एवं सां. मंत्री

•

चित्रांश रमेश चन्द्र
प्रबन्ध सम्पादक

वर्ष 15, अंक–3(44)
13 अप्रेल, 2002

सम्पादक मण्डल

डॉ. राजेन्द्र मोहन

•

मोहन सिंह जालोरी

•

प्रेम सिंह बुन्देला

•

अरुणा गोहानिया

भटनागर सभा सदस्यगणों के लिये सन्देश

साथी हाथ बढ़ाना, साथी रे! एक अकेला थक जायेगा,
मिल कर बोझ उठाना, साथी हाथ बढ़ाना, साथी रे!

इस संबंध में मैं समाज के सब बन्धुओं से आग्रह और अनुरोध कर रहा हूँ कि समाज के इस महा स्वप्न को साकार करने हेतु पहल करें –

"भटनागर सभा का है यह सपना, उदयपुर में हो नवीन नोहरा अपना"

इस संदर्भ में मैं समाज के कार्यक्रमों में पूर्व में भी आप सब से अनुरोध करता रहा हूँ और आशा करता हूँ, आप सब अपना पूरा पूरा सहयोग देकर इस स्वप्न को साकार करेंगे।

मैं समाज के लोगों का ध्यान गिरते हुवे शैक्षणिक एवं सामाजिक स्तर की तरफ आकर्षित करना चाहूँगा। एक समय था, जब समाज के लोग महाराणा के यहाँ ऊँचे–ऊँचे पदों पर आसीन थे एवं सभी प्रकार से सम्पन्न थे। धीरे–धीरे हमारे आपसी वैमनस्य एवं असहयोग के कारण अन्य समाज के लोग महाराणा के यहाँ ऊँचे पदों पर आसीन हो गये तथा हमारे समाज के लोगों का प्रभाव धीरे–धीरे कम होता गया। स्वतंत्र भारत में भी हमारे समाज के लोग ऊँचे पदों पर आसीन थे परन्तु धीरे–धीरे आपसी असहयोग के कारण अब गिने चुने लोग ही उच्च पदों पर आसीन है। यह अत्यधिक चिन्ता का विषय है। **अतः युवा पीढ़ी से अनुरोध है कि वह अपना समय ज्यादा से ज्यादा अध्ययन करने में लगावें तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों को प्राप्त करने के लिये परिश्रम करें।** चित्रगुप्त जी महाराज की असली उपासना तो इसी में है कि समाज के लोग अपना शैक्षणिक स्तर सुधार कर दिन प्रतिदिन प्रगति करें एवं पूर्व में जो समाज का स्तर था, उससे भी आगे बढ़ सके।

भटनागर सभा, उदयपुर का यह दायित्व है कि शैक्षणिक स्तर को ऊँचा उठाने हेतु युवा वर्ग के लोगों के लिये शैक्षणिक कार्यक्रम आरम्भ करे। इसमें हमारे समाज के सेवानिवृत्त एवं सेवारत शिक्षकगण समाज के युवा लोगों का अध्यापन एवं दिशा निर्देश कर सहयोग कर सकते हैं। तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने हेतु जिन लोगों को आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है उनको सहयोग देने हेतु एक ट्रस्ट की स्थापना भाई सुनील पंचोली के 9.2.2002 के सुझाव के अनुरूप की जावे और इसके लिये समाज के सभी लोगों से मेरा भी अनुरोध है कि वे मुक्त हस्त से सहयोग करें एवं सहयोग राशि अपने मुहल्ले में रहने वाले भटनागर सभा के कार्यकर्ता को स्वयं पहुंचा दें। यह अपेक्षा एवं इन्तजार न करें कि भटनागर सभा का कार्यकर्ता आपके पास अनुरोध करने आए तब आप उसे दें। इसे स्वयं का ही कार्य समझ कर पहल करें।

...क्रमशः 2 पर

आप सभी को भारतीय नववर्ष २०५९ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
यह वर्ष सभी के लिये मंगलमय हो। – *भटनागर सभा, उदयपुर*

विकास यात्रा

एक लम्बे अर्से से चली आ रही सम्पादकीय अभिव्यक्ति को प्रथम पृष्ठ से द्वितीय पृष्ठ पर मात्र एक कॉलम में अभिव्यक्त कर एक नवीन वैचारिक प्रस्तुतीकरण का प्रयास प्रबुद्ध समाज के मौन उपरान्त निःसंदेह प्रशंसनीय प्रतीत हो रहा है।

टर्निंग पॉईन्ट के माध्यम से विचारशील समाज के एक–एक कर्मठ परिजन की वैचारिक अभिव्यक्ति को अथक परिश्रम उपरान्त चुनने का कठोर बीड़ा उठाया है, इस आशा एवं विश्वास के साथ की आप हमारे संकलन पर उँगली उठाने का श्रम न करते हुए सहयोग भावना का हाथ निःसंकोच बढ़ाकर समाज को लाभान्वित कर हमें कृतार्थ करेंगे।

आपका शुभचिन्तक

(चित्रांश रमेशचन्द्र)

यात्रा के इस दुर्गम पथ पर अगली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में श्री ललित बिहारी बक्षी की वैचारिक अभिव्यक्ति के प्रस्तुतीकरण हेतु प्रयत्नशील हैं।

भारतीय नववर्ष 2059 पर प्रकाशित 'सूचना–पत्र' के इस अंक का सम्पूर्ण व्यय श्री नरेन्द्र गलुण्डिया द्वारा वहन किया गया।

आभार

शेष पृष्ठ 1 का

इस समय जिस तरह हमारे युवा वर्ग का ध्यान खेल–कूद सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तरफ अधिक है उसी तरह शैक्षणिक कार्यक्रमों का भी अपना महत्त्व है। अतः उन पर अधिक से अधिक ध्यान दिया जाना चाहिये।

अब समय आ गया है कि समाज के लोग एक दूसरे का पूरा–पूरा सहयोग एवं सहायता देकर प्रगति के मार्ग की तरफ अग्रसर होने का संकल्प लें तथा समाज के आर्थिक सम्पन्न लोग अपनी लोक भूमिका को निभाने में मन से और धन से उदाहरण बनें। **बढ़ती हुई स्पर्धा एवं आरक्षण के युग में अथक तथा अनवरत परिश्रम करके ही समाज के लोग प्रगति की तरफ अग्रसर होते जायेंगे यही मेरी आकांक्षा है तथा इसके लिये सभी को शुभकामनायें प्रस्तुत करता हूँ।**

डॉ. एच.एन.एस. भटनागर

समाज इनसे गौरवान्वित है

सलूम्बर–गिर्वा क्षेत्र के पूर्व विधायक, अनेक समाज सेवी संस्थाओं से जुड़े वरिष्ठतम एडवोकेट **श्री सोहनलाल भटनागर** पुत्र स्व. श्री ईश्वर सिंह गोरावत (सलूम्बर) का 80 वर्ष की अवस्था और वकालत के 50 वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण करने पर राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री अरुण कुमार ने उन्हें सम्मानित किया।

नूतन गृह प्रवेश

श्री अनिल एवं श्रीमती सुधा बुन्देला,
3, आशीर्वाद नगर ब्लाक डी, रूपसागर,
युनिवर्सिटी रोड, उदयपुर, फोन 451869
दिनांक 10.2.2002

– बधाई

शुभ विवाह

''मम चितमनु चित्तं तेस्तु'' अर्थात् : मेरा मन तेरा मन, तेरा मन मेरा मन बन जाय, तभी गृहस्थी स्वर्ग है।

1. चि. मनीष पुत्र श्री कमलसिंह नागोरी संग सौ.का. मेधा पुत्री श्री प्रद्युम्न कुमार सहीवाला, 17.2.2002
2. चि. सन्दीप पुत्र श्री भवानी सिंह चोण्डावत संग सौ.का. मीनाक्षी पुत्री श्री निरंजन कुमार सहीवाला, 21.2.2002
3. चि. योगेश पुत्र श्री रघुवीर सिंह मोलावत संग सौ.का. सीमा पुत्री श्री ताराचन्द श्रीवास्तव, 22.2.2002
4. चि. अमरीष पुत्र श्री नरेन्द्र प्रकाश संग सौ.का. नेहा पुत्री श्री कंवर बहादुर, 22.2.2002
5. चि. चेतन पुत्र श्री शिवकुमार संग सौ.का. शैली पुत्री श्री हरिनारायण मोलावत, 26.2.2002
6. चि. प्रशान्त पुत्र श्री दिनेशचन्द सहीवाला संग सौ.का. नमीता पुत्री श्री राकेश नारायण भटनागर, 28.2.2002

– बधाई

शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियाँ

1. **श्री प्रांजल** पुत्र श्री प्रकाश एम. भटनागर को एम.एस.सी., 'टेक्नीकल एप्लाइड जियोलोजी' विषय में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा **स्वर्ण पदक** प्रदान किया गया।
2. **श्री सुदर्शन** पुत्र स्व. श्री लक्ष्मीनारायण कालावत को ''सड़क सुरक्षा सप्ताह – 2002'' में सराहनीय कार्य करने पर **'परिवहन मेडल'** एवं योग्यता प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।
3. **श्री गिरीश भटनागर** पुत्र श्री आनन्दसिंह 'राज' को 'प्रशासन गांवों के संग' एवं 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान में 'निःशक्त कल्याण क्षेत्र' में सराहनीय कार्य करने हेतु जिला कलेक्टर, उदयपुर एवं विधायक उदयपुर (ग्रामीण क्षेत्र) द्वारा **प्रशस्ति–पत्र** तथा नारायण सेवा संस्थान द्वारा **स्मृति चिन्ह** प्रदान किया गया।

– बधाई

अनुरोध

ज्ञातव्य है कि काफी लम्बी अवधि से समाज के उपयोग हेतु नवीन भूमि क्रय करने के प्रयास चल रहे हैं। 'नवीन भूमि' आज समाज के प्रत्येक सदस्य की अभिलाषा भी है। इसीलिये भटनागर सभा सलाहकार समिति के सदस्य एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने उदयपुर शहर के आसपास अनेक स्थानों का अवलोकन करने के पश्चात, समाज के सामान्य जन की पहुँच को देखते हुए, सेक्टर–14 में स्थान विशेष का चयन किया है। इस सन्दर्भ में भूतपूर्व अध्यक्ष सुश्री प्रमोदिनी बक्षी का प्रयास प्रशंसनीय है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भूमि क्रय कोष में मात्र चार लाख पचास हजार रू. है जिससे भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा भी नहीं आ सकता है। **दि. 7 अप्रेल को सलाहकार समिति ने पहल कर इस राशि को बारह लाख तक बढ़ाने का बीड़ा उठाया है।** इन्हीं के नेतृत्त्व में भटनागर सभा के कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ नागरिक आपके घर आ कर इस आशय से सम्पर्क करेंगे। कृपया पूर्ण भक्ति से आप इस अभियान को सफल करने में मुक्त हस्त से राशि/चैक प्रदान कर अनुगृहीत करें।

भगवान श्री चित्रगुप्त जी की पूजा एवं कथा आयोजन

दीपावली, 2002 – श्रीमती विजय लक्ष्मी जालोरी
(स्व.) श्री जसवन्त सिंह जी जालोरी

होली, 2003 – श्रीमती उमराव देवी नागोरी
(स्व.) श्री मनोहर सिंह जी नागोरी

दीपावली, 2003 – श्री भारत सिंह गुड़ेलिया
(स्व.) श्री गोविन्द सिंह जी गुड़ेलिया

नवीन/संशोधित पता एवं दूरभाष संख्या

उदयपुर शहर

		अंकित	परिवर्तित
1.	श्री अनिल पुत्र (स्व.) श्री नारायणलाल बुन्देला	–	451869
2.	श्री अशोक पुत्र श्री श्याम बिहारी जालोरी	521353	421353
3.	श्री कृष्णकान्त पुत्र श्री सज्जन सिंह पचवारिया	418124	418524
4.	श्री बृजमोहन पुत्र श्री दुल्हे सिंह जालोरी	526559	527020
5.	श्री मनोज पुत्र श्री गणपत सिंह जालोरी	–	410846
6.	श्री प्रवीण पुत्र श्री किशनसिंह बक्षी	–	528112
7.	श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री दरयावसिंह	–	465775
8.	श्री जगदीशनारायण पुत्र श्री उमरावसिंह	415758	528594
9.	श्री अश्विन पुत्र श्री मुकुन्द सिंह सहीवाला	–	–

5/291, राजकीय आवास, प्रतापनगर

उदयपुर से बाहर बसे सदस्यगण

– श्री प्रदीप पुत्र श्री कमलसिंह चौण्डावत, निम्बाहेड़ा 01477–21077
– श्री अनिल पुत्र श्री नारायणलाल बुन्देला 726288
प्रेमनगर, जावर माइन्स
– श्री प्रदीप भटनागर, होम साइन्स कॉलेज कैम्पस 0151–250555
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीछवाल, बीकानेर

प्रेरक प्रसंग

गांधी जी करोलबाग, दिल्ली में प्रवचन कर रहे थे। अन्त में उन्होंने श्रोताओं से अपील की कि वे मुक्त हस्त से दान दें। बापू के कहते ही तीन–चार व्यक्ति उठे और दान राशि एकत्रित करने लगे। दान की राशि जब गिनी गई तो एक लाख चौवन हजार तीन सौ बहत्तर रू. तीस पैसे एक पाई निकली। बापू के चेहरे पर मुस्कान दौड़ गई। प्यार से सम्बोधित करते हुए कहा–वो व्यक्ति हाथ उठाये जिसने **'एक पाई'** दान में दी है। सभा सन्न पकाई, चारों ओर देखने लगी पर कोई नजर नहीं आया। थोड़ी देर बाद एक बालक की सिसकी सुनाई दी।

बापू उठे, वहाँ पहुंचे जहाँ सिसकी सुनाई दी। देखा एक बालक रो रहा था। बापू ने उसे गोद में उठाया और मंच पर लेकर आ गये। फिर पूछ बैठे, "यह पाई तुमने दी है"। बालक धीरे से बोला– मैंने भूल से एक पाई कचौड़ी लेने में खर्च कर दी, इसलिये .....। वह रो पड़ा. बापू ने उसकी पीठ थपथपाते हुए सभा को पुनः सम्बोधित किया – "बन्धुओं लाखों रूपयों से महत्त्वपूर्ण ज्यादा मेरे व देश के लिये इस बालक की यह **'पाई'** है क्योंकि जो कुछ इसके पास था वह सब का सब दान कर दिया। **'सर्वस्वदान से बड़ा कोई दान नहीं है।** जो अपने लिए बड़ी राशि रखकर शेष दान करते है **उनसे इस बालक की एक पाई का दान अधिक महत्त्वपूर्ण है।**

'बापू' महात्मा गांधी, मुम्बई में प्रसिद्ध सेठ बिड़ला जी के मेहमान थे। अगले दिन सुबह ही वे जाने लगे तो बिड़ला जी ने अनुनय–विनय कर उन्हें कुछ दिन और रुकने का अनुरोध किया, पर बापू को तो एक दिन में एक लाख रुपये एकत्रित करने थे जो भी प्रति व्यक्ति मात्र चवन्नी लेकर। बिड़ला जी ने विनम्रता के साथ एक लाख रुपये का चैक बापू को पेश किया। बापू ने उसे सिर पर लगा कर बिड़ला जी से पूछा रुपये तो मिल गये पर चार लाख व्यक्ति कहाँ है?

सच है महत्त्व राशि का नहीं, व्यक्ति का है।

सभी की सहभागिता आवश्यक है।

■ विकास मोलावत

महकते फूल बनाम साक्षात मूर्तियां

प्रसन्नता की बात है कि सम्पादक मण्डल ने भटनागर सभा, उदयपुर के अन्तर्गत 'भटनागर दर्पण' पत्रिका को यथा समय प्रकाशित करके समाज के हाथों में समर्पित किया मानों कि सहस्त्राब्दी वर्ष 2001 का महकते फूलों का गुच्छ याने नई कलेवर के अनुसार विविध प्रकार के पुष्पों से सुसज्जित बुके प्रेजेन्ट कर दी है, जिसमें गुफित है विचार मंच, स्वास्थ्य रक्षा हेतु ज्ञानवर्द्धक

रोग और भोजन विषय पर सारगर्भित लेख, अन्य विविध लेखन सामग्रियों के साथ दिवगत पूर्वजों के प्रति समर्पित श्रद्धांजलियाँ हैं। कई दुर्लभ फोटो भी साथ में प्रकाशित हैं। ऐसी छवियां प्राप्त कर लेना अतीव कठिन कार्य रहा होगा क्योंकि ये फोटो उस अतीत काल की हैं जब फोटो लेना असंभव सा था। ऐसी तीन विभूतियां आबूजी वाले भाभा सा., नानी, भाभी, व भाभा जिन्हें सब सज्जी बाई भाभा कहते थे, के प्रति सबके हृदय में पूर्ण आदर व स्नेह था। उस काल में ऐसा अंधकार युग चल रहा था, जब **महिलाओं को शिक्षा दी जानी चाहिये**– यह विचार ही समाज विरोधी, सिद्धान्त एवं धर्म विरोधी माना जाता था। जब पुरूष वर्ग भी किंचित ही शिक्षा प्राप्त कर सकते थे। तब उस काल में महिलायें अज्ञानता के अंधकार में विलीन हो जाती थीं। कठिन परिस्थितियों में एकाकी जीवन व्यतीत करना बहुत ही दुःख पूर्ण अध्याय बन जाता था, जो असंभव दिखने पर भी सच ही था। एकाकी जीवन के साथ कभी परिवार में हुई मृत्यु के कारण मृत्यु भोज में अपार खर्च हो जाने से कर्ज का भी भार आ जाता था। समाज के सामने मुंह नहीं खोलने पर भी मन में सबको पता था कि यह ऋण, जो मृत्यु भोज के लिये लिया गया था, उसको दादा का पोता ही उतारता था।

ऐसी ही कड़ी में नानी, भाभी व भाभा की फोटो देख कर मन नतमस्तक हो गया। नानी मामी व भाभा त्याग, तपस्या एवं कष्ट सहने की क्षमता की साक्षात् मूर्तियां थीं। श्रद्धांजलि के सन्दर्भ में भी अन्य सबके प्रति आदर सम्मान समर्पित करते हुये स्व. श्री केसरी सिंह जी चोण्डावत (1905–1940) के प्रति उनके पुत्र श्री जसवन्त सिंह चोण्डावत ने जो पुष्प अर्पित किये हैं, वे उनके हृदय से निकले हुये सच्चे उद्‌गार हैं, जिनसे पाठकों का मन भी दुःख से द्रवित हो जाता है। उच्च शिक्षा प्राप्त करके कानून की डिग्री ली, ऐसे विद्वान ने कितनी सामाजिक, पारिवारिक, वित्तीय व ऐसी ही कठिन परिस्थितियों में इतनी विद्या अर्जित की होगी। इलाहाबाद युनिवर्सिटी, जहाँ से भारत के कई कद्दावर नेता पढ़ कर निकले। उसी विश्वविद्यालय से उस कोमल दुर्बल काया ने कितने भारी परिश्रम से प्रथम श्रेणी प्राप्त की होगी। यह सबके लिये प्रेरणा का सन्देश है। उनका शरीर टी.बी. जैसी बीमारी की मार नहीं सह सका और वे असमय ही काल–कवलित होकर अतीत में चले गये।

पत्रिका में कविताओं का सरस स्त्रोत भी बहा है, 'मैं शुभ–निशुभ विदारुणी', ज्योति की तलाश में, जीवन सूत्र, मिजाज, वख्त का आदि रसधारायें भी पाठक को पूरी तरह प्रभावित करती हैं। कवि एवं कवियत्री धन्यवाद के पात्र हैं, क्योंकि कविता में मन के उद्‌गार व्यक्त करना, स्वयं में एक कठिन काम है। विचार मन्थन में भटनागर सभा के अगले 10 वर्ष के लिये क्या करना है, अच्छा लेखन प्रयास है। अन्य साहित्यिक सामग्रियों, झलकियां, सन्देश, विविध समारोहों, महत्त्वपूर्ण बैठकों, त्यौहारों पर सम्मेलन, प्रतियोगिताओं की फोटो उल्लेखनीय हैं।

भटनागर दर्पण का भविष्य उत्तरोत्तर उन्नत हो, इन्हीं शुभ कामनाओं के साथ, धन्यवाद सहित,

■ **वैद्य नलिनी देवी पंचोली**

सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

दिनांक 7 अप्रेल को पूर्व महामंत्री भटनागर सभा श्री अशोक जालोरी के आवास पर **भटनागर सभा सलाहकार समिति** की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वश्री डॉ. अरविन्द भटनागर, ललित बिहारी बक्षी, डॉ. राजेन्द्र मोहन, डॉ. एच.एन.एस. भटनागर, डॉ. एल.के. भटनागर एवं कैलाश नारायण भटनागर पुत्र श्री गुलाब सिंह जी द्वारा निम्नानुसार मार्गदर्शन दिया गया :–

- नवीन भूमि क्रय करने हेतु वर्तमान में उपलब्ध राशि बहुत कम है। उसे बढ़ा कर कम से कर **बारह लाख रू.** तक ले जानी होगी। इस हेतु निकट भविष्य में सलाहकार समिति के सदस्य, मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिक एवं भटनागर सभा कार्यकारिणी के सदस्य मोहल्ले वार, घर–घर जाकर धन राशि देने हेतु अनुरोध करेंगे। इस सम्बन्ध में डॉ. लक्ष्मण भटनागर ने गणना कर कम से कम 2000 रू. प्रति परिवार राशि एकत्र करने का सुझाव दिया।
- पंचायती नोहरा गणेशघाटी के शेष भाग को भी समाज के किसी सदस्य को रहन रखने की सलाह दी गई।
- बुक बैंक/पुस्तकालय खोलने के सम्बन्ध में चर्चा करने पर स्थान की समस्या आड़े आई। इस पर श्री राजकुमार नागोरी का सुझाव था कि वर्तमान चित्रगुप्त मन्दिर के साथ लगा कक्ष उपलब्ध कराने हेतु स्व. श्री नारायण चन्द जी चोण्डावत के परिवार जनों से सम्पर्क किया जाय। श्री एल.बी. बक्षी की भी यही राय थी। उन्होंने इस बारे में स्वयं भी सम्पर्क करने हेतु पहल की। इस विषय में एक पत्र भी अनुरोध स्वरूप भटनागर सभा अध्यक्ष द्वारा लिखा जा चुका है।
- इसके अलावा मेले का आयोजन, स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता हस्त कला शिल्प प्रदर्शनी के आयोजन पर भी समिति ने अपनी सकारात्मक सलाह दी।
- डॉ. राजेन्द्र मोहन ने कायस्थ समाज के अति विशिष्ट व्यक्तियों के जन्म दिवस मनाने का सुझाव दिया।
- Placement Service/Carrier guidence पर भी चर्चा की गई।
- बैठक के दौरान श्री राजकुमार नागोरी ने **'भटनागर समाज कल्याण कोष'**, उदयपुर में उपलब्ध वर्तमान राशि एवं स्थापना से लगाकर अब तक हुई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। इस सम्बन्ध में श्री राजकुमार, कल्याण कोष के वर्तमान सदस्य एवं अध्यक्ष, भटनागर सभा साथ बैठकर इस राशि के उपयोग पर चर्चा कर निर्णय से सभा को अवगत कराएंगे।
- बैठक के अन्त में डॉ. श्री अरविन्द भटनागर ने दो वर्ष पूर्व लिये गये समाज के बर्तनों के निस्तारण के सम्बन्ध में हुई प्रगति जाननी चाही। यह जानने पर कि दो वर्ष पूर्व लिये गये निर्णय के बाद भी यथा स्थिति बनी हुई है– समिति ने क्षोभ व्यक्त किया– एवं अपेक्षा की कि इनका निस्तारण शीघ्र होगा। निस्तारण हेतु पूर्व में बनी हुई समिति यह कार्य सम्पन्न करेगी एवं इस कार्य हेतु भूतपूर्व अध्यक्ष चित्रांश रमेशचन्द्र एवं वर्तमान कोषाध्यक्ष श्री लोकेश कालावत समन्वयन कर, बर्तनों का निस्तारण 15 अगस्त, 2002 से पूर्व कर समाज को अवगत करायेंगे।

भटनागर सभा त्रैमासिक आय-व्यय विवरण

1 जनवरी, 2002 से 31 मार्च, 2002 तक की स्थिति –

मद	आय	व्यय	शेष राशि रु.
• सूचना पत्र	9230	–	9230
• सदस्यता शुल्क	5400	–	5400
• प्रतियोगिताएँ	6280	5658	562
• पंचायती नोहरा (विद्युत)	350	10910	(–) 10560
• स्टेशनरी	–	215	(–) 215
• परिवार निर्देशिका / दर्पण	2650	–	2650
• विविध व्यय	272	938	(–) 666
• विविध आयोजन	800	4770	(–)3970
योग	24982	22491	2491
• नवीन भूखण्ड क्रय कोष	1202	–	1202
			+ 4,44,951

आजीवन सदस्यता

- श्रीमती छाया भटनागर पत्नी श्री विवेक भटनागर 200.00
- श्री करणसिंह कालावत पुत्र स्व. श्री लक्ष्मण सिंह 200.00
- श्रीमती चाँद कालावत पत्नी श्री करण सिंह 200.00
- श्री दीपाकर भटनागर पुत्र श्री एम.एल. भटनागर 200.00
- श्री हिमान्शु पचवारियां पुत्र श्री कृष्णकान्त 200.00
- श्री आशीष सहीवाला श्री दिनेश चन्द सहीवाला 200.00
- श्री बसन्त नारायण पुत्र श्री मोहन सिंह पचवारियां 200.00

नवीन भूखण्ड हेतु सहयोग

- श्री हिमान्शु पचवारियां पुत्र श्री कृष्ण कान्त 301.00
- श्रीमती कमला एवम् श्री रघुवीर सिंह चोण्डावत 500.00
- श्री लोकेश कालावत पुत्र स्व. श्री रघुवीरसिंह 300.00
- श्रीमती गुलाब कुवर चोण्डावत पत्नी स्व.श्री देवीचन्द्र 101.00
- श्री जीतेन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण भूसीवाल 2000.00

हमारे बारे में क्या सोचते हैं अन्य समाज के लोग

भटनागर समाज है – भट नागरों का

भटनागर समाज है – भट नागरिकों का समाज। इसका तात्पर्य है – नगर से सम्बन्ध रखने वाला ऐसा माननीय, पराक्रमी समाज जो संगठित समुदाय के रूप में रहता है और समाज में पारस्परिक सहयोग व संरक्षण रखता है। शासन और जीवन के सिद्धान्तों का ज्ञाता होने के साथ–साथ उसके कानून से बंधा है। समाज के सदस्य सभ्य, शिष्ट और चतुर होते हैं।

यह समाज धर्मराज जी के विश्वस्त, प्रामाणिक, न्यायपरक, निष्पक्ष, निर्वैर, निर्भय और मानव लोक के सुख–शांति चाहने वाले लोक देवता चित्रगुप्त महाराज की संतान होने का गौरव रखने वाला होने से भी सम्माननीय एवं स्तुति योग्य है।

■ रामकृष्ण शर्मा

कहानी –

रामलाल और श्याम लाल

एक गांव में दो मित्र रहते थे। दोनों में घनिष्ट मित्रता थी। दोनों की पत्नियों का स्वर्गवास हो चुका था। आयु दोनों की 80 वर्ष से ऊपर थी। रोज शाम को घर से दूर एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठ कर सुख–दुख की बातें करते। कुछ दिनों से श्यामलाल यह देख रहा था कि रामलाल उदास, बीमार, कमजोर लगने लगा है। आखिर एक दिन उसने पूछ ही लिया – "क्या बात है, रामलाल कुछ खाने–पीने को नहीं मिलता है क्या? तीन पुत्र और बहुओं के होते भला तुम्हें क्या कष्ट हो सकता है? ये सभी तो तुम्हारी दिन–रात सेवा करते होंगे"। उदास रामलाल फफक पड़ा, रोना सा होकर बोला नहीं भैया मेरे ऐसे भाग्य कहां? खाने को तो पूरा मिलता नहीं, बहुओं के ताने और सुनने पड़ते हैं। दिन भर कहती है – 'बूढ़ा मरता भी नहीं'। पता नहीं, कब तक छाती पर मूंग दलेगा? दोस्त की स्थिति समझ कर श्यामलाल भी चिन्तित हो गया, किन्तु उसने रामलाल के बेटे–बहुओं को सबक सिखाने की सोची, उसने रामलाल को सारी बात समझा कर एक चान्दी का कलदार सिक्का दिया।

रामलाल रात को 2–3 बजे तक जाग कर सिक्के को पत्थर की कसौटी पर बजाता रहता एक से हजार तक गिनता रहता। अपने बक्से पर ताला लगा कर चाबी अपने पास रखता। इधर बेटे–बहुओं की नींद हराम। बुड्ढा क्या गिनता रहता है। इसके पास इतना धन है और हमें पता ही नहीं। अचानक बहुओं में श्वसुर के प्रति सम्मान व आदर भाव बढ़ गया। साथ ही सेवाभाव भी जागा। जब बहुओं ने श्वसुर को सम्मान दिया तो बेटों को तो आगे आना ही था। बुढ़े को नये कपड़े मिल गए। रोज बहुएं धोकर साफ–सुथरे कपड़े पहनाती। सारे कमरे का नक्शा ही बदल गया। नये गुदगुदे बिस्तर एक दम साफ सुथरा कमरा। इसमें नहीं बदला तो वह बक्सा जिसे बुड्ढा जान से प्यारा रखता। बेटे–बहुएं हसरत भरी निगाहों से देखते, पर वह हाथ नहीं लगाने देता। बड़ी बहु सुबह होते ही मेवे का दूध बहुत सेवाभाव से पिलाती। पिताजी–पिताजी कहते थकती नहीं। नाश्ते के समय मझली बहू देशी घी में बना सूखे मेवे डालकर हलुआ खिलाती तो छोटी बहु थाल में परोस कर पांच पकवान खिलाती। कुछ ही दिनों में रामलाल के चेहरे पर रंगत लौट आई। पर बहुओं की नजरों में वह अब भी बहुत कमजोर था। रूपये पैसे की बात करने पर वह सिर्फ मुस्कुराहट भर देता। जीवन आराम से गुजर रहा था। दोनों मित्र मिलते और बातें करते सिर्फ सुख की अब दुख था ही कहां?

सौ साल सभी के पूरे होते है। एक दिन बहुओं ने सिक्कों की आवाज नहीं सुनी। सोचा पिताजी थक गए होंगे। सुबह देखेंगे। सुबह दरवाजा आधा खुला था। पछी उड़ गया। रोना–धोना किसे था। सबसे पहले बक्से का ताला तोड़ा तो धक्क से रह गए। उसमें तो पत्थर भरे थे। हां? एक तरफ कसौटी पर एक चांदी का सिक्का पड़ा था और अचानक सभी दहाड़ मार कर रो पड़े। सच ही कहा है – "लालच बुरी बला है।"

■ जसवन्तसिंह चोण्डावत

होली मिलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

स्थानीय चित्रगुप्त मन्दिर प्रांगण में भटनागर सभा, उदयपुर द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसके प्रथम चरण मे दिनांक 29 मार्च, धूलेण्डी को समाज के वयोवृद्ध श्री ईश्वर सिंह गुडेलिया द्वारा पूजा एवं दीप प्रज्ज्वलन के बाद परिचय स्वरूप नवजात शिशु एवं नव दम्पतियों की सामूहिक ढूंढ आयोजित की गई। इन सभी को श्री फल एवं उपहार प्रदान किए गए।

होली मिलन के द्वितीय चरण में दिनांक 30 मार्च को यम द्वितीय पर्व पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा का वाचन किया गया। श्री ब्रजमोहन, श्री कमलसिंह नागोरी एवं परिवार द्वारा प्रायोजित पूजा समारोह मे एक अन्तराल के बाद समाज के बहुसख्यक लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व मे 30 दिसम्बर, 2001 एवं 13 फरवरी, 2002 को आयोजित शैक्षणिक एवं अध्येत्तर तथा खेल–कूद प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। समाज के गणमान्य लोगों ने सभी 12 प्रतियोगिताओं मे प्रायोजक बन कर अपने उत्साह का परिचय दिया।

भटनागर सभा अध्यक्ष ने आभार एवं समाज तथा सांस्कृतिक मंत्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सामूहिक ढूंढ हेतु नवजात शिशुओं की सूची : (सहयोग राशि रुपया 200/–)

क्र.स.	माता	पिता	गौत्र	पुत्र/पुत्री	नाम	जन्म तिथि
1.	श्रीमती अंजलि	श्री प्रवीण	सांचोरा	पुत्र	हर्षित	29.04.01
2.	श्रीमती (डॉ.) ऋतु	श्री (डॉ.) तरूण	गुड़ेलिया	पुत्री	शुभांगी	27.03.01
3.	श्रीमती अनिता	श्री महीप	मोलावत	पुत्री	कृषांगी	19.07.01
4.	श्रीमती ऋतु	श्री गिरीश	"राज" डाकोल	पुत्री	मुदिता	24.07.01
5.	श्रीमती अनिता	श्री सव्यसांची	गुड़ेलिया	पुत्री	—	10.08.01
6.	श्रीमती कजरी	श्री पंकज	बसल	पुत्री	ताशी	24.08.01
7.	श्रीमती निशा	श्री संदीप	गुड़ेलिया	पुत्र	राजदीप	25.08.01
8.	श्रीमती रश्मि	श्री सुधीर	मोलावत	पुत्र	नव	26.08.01
9.	श्रीमती मधु	श्री कौशल	सांचोरा	पुत्री	लक्ष्या	08.09.01
10.	श्रीमती रचना	श्री अरुण	गुड़ेलिया	पुत्री	उन्नति	09.10.01
11.	श्रीमती चित्रा	श्री महीप	सहीवाला	पुत्र	तुषार	14.10.01
12.	श्रीमती रेणु	श्री शैलेश	मोलावत	पुत्र	वेदांग	04.11.01
13.	श्रीमती दीपिका	श्री लोकेश	कालावत	पुत्री	चेष्ठा	25.12.01
14.	श्रीमती नीलू	श्री संदीप	गुड़ेलिया	पुत्र	सार्थक	22.02.02

सामूहिक ढूंढ हेतु नवदम्पतियों की सूची : (राशि रू. 200/– प्रति दम्पति)

क्र.सं.	वधु	वर	विवाह तिथि	क्र.सं.	वधु	वर	विवाह तिथि
1.	सौ. वर्तिका	चि. नितिन मोलावत	11.12.01	2.	सौ. मेघा	चि. मनीष नागोरी	17.02.02
3.	सौ. मीनाक्षी	चि. संदीप चोण्डावत	21.02.02	4.	सौ. नमिता	चि. प्रशान्त सहीवाला	28.02.02

पुरस्कार प्रायोजकों की सूची :

क्र.सं.	प्रतियोगिता	प्रायोजक	स्मृति	राशि रू.
1.	सामान्य ज्ञान	श्री सुरेन्द्र मोलावत	स्व. श्री भोपालसिंह जी मोलावत	500
2.	निबन्ध लेखन	श्री सुरेन्द्रकुमार चोण्डावत	स्व. श्री रणजीतसिंह जी चोण्डावत	300
3.	चित्रकला	श्री चतुरसिंह मोलावत	स्व. श्री तखतसिंह जी मोलावत	300
4.	महिलाओं की चेयर रेस	श्री बलवन्तसिंह गोरावत	स्व. श्रीमती वल्लभ देवी गोरावत	300
5.	English Dictation	श्री बिजेन्द्र नारायण पचवारिया	स्व. श्री उमराव सिंह जी पचवारिया	300
6.	English Writing	श्री रविन्द्र जालोरी	स्व. श्री गणपत सिंह जालोरी	300
7.	हिन्दी श्रुतिलेख	श्री विष्णु गोरावत	स्व. श्री प्रताप सिंह जी गोरावत	300
8.	हिन्दी सुलेख	श्री प्रकाश चन्द्र चोण्डावत	स्व. श्रीमती इन्दुबाला चोण्डावत	300
9.	Slow Cycling	श्रीमती उर्मिला चोण्डावत	स्व. श्री मोहन सिंह जी चोण्डावत	300
10.	Six-A-Side Cricket	श्रीमती उमराव देवी नागौरी	स्व. श्री मनोहर सिंह जी नागौरी	300
11.	Double Wicket Cricket	श्रीमती ललिता नागौरी	स्व. श्री भोपाल सिंह जी नागौरी	300
12.	मेग्नेरीगेम	श्री लोकेश कालावत	स्व. श्री रघुवीरसिंह जी सा. कालावत	300

इनसे मिलिये - हमें इन पर नाज़ है

इस बार हम आपको समाज के ऐसे युवाओं से मिलवा रहे हैं जिन्होंने ऊँचाइयों को छुआ है, जिनके मन में देश भक्ति की, और आगे बढ़ने की भरपूर ललक है ...... इनके नाम है **श्री अनुज भटनागर एवं केप्टन निर्मित भटनागर**

आशा के स्वर श्री अनुज भटनागर के साथ

आपने सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, बी. एस.सी. एम.आई.बी. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की एवं इतिहास में भी एम.ए. किया है।

आपने लेक्चररशिप के लिये निर्धारित शैक्षणिक योग्यता नेट (NET) प्राप्त की साथ ही इतिहास विषय में सम्पूर्ण सम्भाग में **प्रथम 'जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) होने का गौरव प्राप्त किया जिसके अन्तर्गत इन्हें लगभग चार लाख रूपये की राशि अनुसंधान कार्य हेतु मिलेगी।**

वर्तमान में आप 'सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय' में इतिहास विषय में अध्यापन साथ ही **'मेवाड़ में मध्यकाल से खनन–ऐतिहासिक परिदृश्य में–विषय पर अनुसंधान कार्य कर रहे हैं'।**

बहुआयामी प्रतिभा के धनी श्री अनुज ने अनेक प्रतियोगी कार्यक्रमों में भाग लेकर प्रशंसा–पत्र और पुरस्कार अर्जित किये हैं जैसे : केरल सरकार एवं यू.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित "राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन" विषयक निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके लिए केरल के महामहिम राज्यपाल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।, पर्यावरण मंत्रालय राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त, इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान है, "गांधी साम्प्रदायिकता और विभाजन" और "21वीं सदी के सदर्भ में महाराणा प्रताप" शीर्षक पर आप द्वारा पत्र वाचन। फैकल्टी ऑफ मैनजमेन्ट स्टेडीज सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.बी. मेमोरियल एडवरटाइजिंग प्रतियोगिता में सम्मान, विभिन्न समाचार पत्रों में प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए विज्ञापन, डिजाईन किये।, जिला स्तरीय इन्पोट्स ओपन क्यूज 1991 तथा 1992 में आप पुरस्कृत हुए। प्रौढ़ शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में सम्मानित हुए। अन्तराष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित संगोष्ठियों में भाग लिया एवं संचालन किया।, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के विभिन्न जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। "आरगन अल्टरनेटिव मीडिया" द्वारा केबल नेटवर्क पर प्रसारित "टैलेंट शो" नामक कार्यक्रम का संचालन किया।

शिक्षा के क्षेत्र में तो आप अग्रणी हैं ही साथही संगीत एवं खेल में भी आपकी अनेक उपलब्धियां रही है।

जैसे :–

1. गंधर्व महाविद्यालय पूणे द्वारा आयोजित संगीत विशारद परीक्षा में उदयपुर जिले में प्रथम स्थान अर्जित किया।
2. जिला स्तरीय हैण्ड बॉल प्रतियोगिता में आपने प्रथम स्थान अर्जित किया।
3. समाज की विभिन्न शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लेकर विभिन्न पुरस्कार अर्जित किये।

निर्मित - देश सेवा के लिये निर्मित

देश सेवा के लिये ही निर्मित हुए है **श्री निर्मित** पुत्र श्री करण सिंह कालावत। आरम्भ से लगाकर हायर सैकण्डरी तक सदैव शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद, वाद–विवाद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी ये अग्रणी रहे हैं।

वर्ष 1991–92 में जिला स्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता, वर्ष 92–93 से 94–95 तक राज्य स्तरीय विद्यालयी छात्र–क्रिकेट प्रतियोगिता में टीम कप्तान रह कर विजय का भी वरण किया है। वर्ष 94–95 की अन्तर स्कूल वाद–विवाद प्रतियोगिता हो या 96–97 में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता, कहीं भी तो यह पीछे नहीं रहे। इसीलिये तो भारतीय स्थल सेना ने भी इन्हें चयनित कर लिया। उल्लेखनीय है कि सम्पूर्ण राजस्थान से इनका ही एकमात्र चयन किया गया था।

प्रशिक्षण के उपरान्त इनकी नियुक्ति लेफ्टीनेन्ट के रूप में सीमा सुरक्षा हेतु चीन की सीमा पर हुई। 6 माह पश्चात् कश्मीर एवं वहां से एक वर्ष 6 माह बाद पुनः पदोन्नत होने पर अब तक चीन सीमा पर देश सेवा में लगे हुए है।

इस प्रकार 1976 में जन्मे निर्मित न सिर्फ अपने माता–पिता, परिवार का अपितु 'समाज' का भी नाम रोशन कर रहे हैं – जिन पर हमें नाज है।

ऐसा व्यक्तित्व ही समाज की प्रेरणा का स्रोत और गौरव का पात्र होता है।

युवा परिषद् का गठन

गत सूचना पत्र (26 जनवरी, 2002) में युवा वर्ग से भटनागर सभा द्वारा समाज हित में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की गई थी। इच्छुक युवाओं ने परस्पर चर्चा कर सक्रिय सदस्यता बढ़ाने, सामुहिक विवाह के आयोजन, परिचय सम्मेलन, शिक्षा, रोजगार सलाह, विषय विशेषज्ञों के प्रवचन, शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन आदि के लक्ष्य प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की।

युवा वर्ग की समाजहित की लगन को देखते हुए, इन्हीं से चर्चा कर निम्नानुसार उपसमितियों का गठन किया गया, जो अपने स्तर पर दीपावली, 2002 तक की कार्य योजना, गतिविधियों स्थान एवं समय, तथा आर्थिक संसाधनों को ध्यान में रखते हुए तैयार करेंगे। यह परिषद्, भटनागर सभा अध्यक्ष एवं समाज तथा सांस्कृतिक मंत्री का मार्गदर्शन समय–समय पर प्राप्त करते रहेंगे।

सांस्कृतिक गतिविधियां	साहित्य, सहशैक्षणिक एवं कैरियर काउन्सलिंग	खेल–कूद
1. श्री नितिन राज	1. श्री अनुज चोण्डावत	1. श्री मनोज जालोरी
2. श्री विकास मोलावत	2. श्री गिरीश राज	2. श्री निशान्त नागोरी
3. श्री अनुज चोण्डावत	3. श्री आदेश कालावत	3. श्री विकास सहीवाला
4. श्री रवि नागोरी	4. श्री उदित जालोरी	4. श्री रोहित जालोरी
5. श्री पंकज चोण्डावत	5. श्री समीर	5. श्री पुनीत खेराड़ा
6. श्री प्रमित डागोत	6. श्री आदर्श कालावत	6. श्री प्रशान्त सहीवाला
7. सुश्री विभूति जालोरी	7. श्रीमती सरिता	
8. सुश्री मेघना बड़ी	8. सुश्री मेघना बड़ी	

उपरोक्त के अतिरिक्त श्री आशीष सहीवाला एवं श्री राजेश सहीवाला प्रचार–प्रसार गतिविधियों हेतु अध्यक्ष को सहयोग देंगे।

सांस्कृतिक समिति निकट भविष्य में सोफ्ट टॉयज बनाने, मेहन्दी, रंगोली सिखाने तथा नृत्य सिखाने हेतु लघु अवधि कक्षाएँ लगाने के साथ–साथ अन्ताक्षरी, एक मिनिट, मेला आदि के आयोजन करेंगी जबकि, कैरियर काउन्सिलिंग समूह, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद, निबन्ध, कला–उद्योग प्रदर्शनी, विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं खेलकूद समिति इससे सम्बद्ध विभिन्न आयोजन करेंगी जिनका पूर्ण विवरण भविष्य में समय–समय पर प्रेषित किया जायेगा। **युवा पीढ़ी को आप सभी से उत्साह वर्धन की अपेक्षा है।**

संवेदना

	स्वर्गवास
1. सुश्री कमलाकान्ता पुत्री स्व. श्री दौलतसिंह जी मोलावत	18.02.2002
2. श्रीमती दाड़म कुंवर पत्नी स्व. श्री नारायणलाल जी बुन्देला	20.03.2002
3. श्रीमती नजरबाला पत्नी स्व. श्री द्वारकालाल जी चोण्डावत	06.04.2002

आइये–हम सभी मिल कर मृत्युभोज न करने की शपथ ले?

श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित स्व. सुश्री कमलकान्ता भटनागर

जीवन परिचय

जन्म 17 दिसम्बर, 1935
स्वर्गवास 18 फरवरी, 2002

पिता : श्रीमान् दौलत सिंह जी मोलावत
माता : श्रीमती भूरी बाई।

प्रारम्भ से शिक्षण के शिखर को छूने का साहस, हर पुरस्कार चाहे जिला, प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर का हो उनकी सीमा से बाहर नहीं था, हाथ बढ़ाया ले लिया। न सिर्फ शिक्षा अपितु साहित्य, समाज सेवा, संगीत, क्रीड़ा के क्षेत्र में भी वह अग्रणी रहीं।

1982 जिला स्तर पर सम्मानित।

1988 भारतीय इतिहास पर दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम – "भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का गहन अध्ययन व लेखन" पर तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हाराव द्वारा सम्मानित।

1988 5 सितम्बर – शिक्षक दिवस पर महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित।

1989 5 सितम्बर – शिक्षक दिवस पर महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित।

2000 रोटरी क्लब, उदयपुर द्वारा 'वरिष्ठ महिला सम्मान–2000' प्रदान किया गया।

भटनागर सभा, उदयपुर की भूतपूर्व उपाध्यक्ष, अनेक सेवा संस्थानों से जुड़ी ऐसी करुणा मयी, ममता मयी, सेवाभावी मार्गदर्शिका को शत–शत–नमन

नरेन्द्र गलुण्डिया कुलवन्त राय मोलावत गगनराय मोलावत
एवं परिवार जन

प्रेषक :
देवेश मोलावत
महामंत्री
15, नानीगली
उदयपुर
फोन 416332 (नि.)

बुक पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान / श्रीमती .....

.....

.....

सम्पर्क सूत्र : **कैलाश नारायण भटनागर**, अध्यक्ष, भटनागर सभा 3, प–4, प्रभात नगर, सेक्टर– 5, उदयपुर, दूरभाष: 464769

Agrawal Offset, Udaipur, Tel. : 484242